आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

# जननायक समाट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :464 पृष्ठ -4 दिनांक 28 अप्रेल 2025 दिन सोमवार

## पूर्वांचल में गरज-चमक के साथ पड़ेंगी बौछारें, गोरखपुर समेत 12 जिलों में ओलावृष्टि का अलर्ट

## यूपी का मौसम 27 अप्रैल 2025 उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का सिलसिला जारी

लखनऊ यूपी का मौसम 27 अप्रैल 2025 उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का सिलसिला जारी है। प्रदेश में दिन के समय में तेज धूप निकलने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वही रात में भी मौसम गरम रह रहा है, इसकी वजह से प्रदेश की जनता को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। हालांकि आने वाले दिनों में मौसम सुहाना हो सकता है। मौसम विभाग की मानें तो प्रदेश में बारिश का सिलसिला शुरू होने जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को प्रदेश के पूर्वी हिस्से में कहीं-कहीं पर बारिश होने की संभावना जताई गई है।27 अप्रैल को प्रदेश के पश्चिमी यूपी में मौसम साफ रह सकता है लेकिन इस दौरान पूर्वी यूपी में कहीं कहीं पर बारिश और गलत चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावनाएं जताई गई है। साथ ही पूर्वी यूपी में बादल गरजने व बिजली चमकने के साथ-साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवा भी चल सकती है इतना ही नहीं रविवार को पूर्वी यूपी के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि होने की भी संभावना जताई गई है।मौसम विभाग की मानें तो सोनभद्र, चंदौली, गाजीपुर, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर,

बलरामपुर और उसके आसपास के इलाकों में ओलावृष्टि होने की संभावना है।रविवार को सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर और महाराजगंज में बादल गरजने व बिजली चमकने के साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से झोंकेदार हवा चलने की संभावना है। साथ ही सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बारा. बंकी, अयोध्या, अम्बेडकरनगर और उसके आसपास के इलाकों में भी बादल गरजने व बिजली चमकने के साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से झोंक. `दार हवा चलने के आसार जताए गए हैं।वहीं बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया और गोरखपुर में ताप सूचकांक 40–50℃ के बीच रहने की संभावना है। साथ ही संतकबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराईच, लखीमपुर खीरी, सीता. पुर, हरदोई, फरुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली में ताप सूचकांक 40–50 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद,हापुड, गौतमबुद्धनगर, बुलन्दशहर, अलीगढ, मथुरा, हाथरस, कासगंज और एटा में में ताप सूचकांक 40–50℃ के बीच रह सकता है।इसके अलावा आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बि. जनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर में ताप सूचकांक 40–50 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं अगले 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 3–5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है। अगले 5 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2–4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार 44.8°ह तापमान के साथ सुल्तानपुर और प्रयागराज संयुक्त रूप से प्रदेश में सबसे गर्म रहे हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में सुल्तानपुर, बलिया, बहराइच, गोरखपुर और गाजीपुर में उष्ण लहर (लू) रही जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं पर भी लू की स्थिति नहीं रही है।

## पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का मिला आदेश तो बोलीं सीमा हैदर

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल मंगलवार के दिन हुए आतंकी हमले के बाद से ही भारत की सरकार में आक्रोश है. सभी पाकिस्तानी लोगों को 48 घंटे में भारत छोड़ने के आदेश मिल चुके हैं. इसके साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं. इस फैसले के बाद अब सीमा हैदर का बयान सामने आया है.सीमा हैदर ने सरकार के इस फैसले पर बयान देते हुए कहा कि, श्मैं पाकिस्तान की बेटी पहले थी, लेकिन अब मैं भारत की बहू हूं. श पाकिस्तान वापस भेजे जाने के डर से सीमा हैदर ने कहा कि, पहलगाम हमले के बाद से उन्हें डर है कि कहीं बाकी पाकिस्तानी नागरिकों की तरह उन्हें भी भारत से निकाल न दिया जाए. भारत ने सभी पाकिस्तानी वीजा रद्द कर दिए हैं. इसके साथ ही 48 घंटे के अंदर भारत छोड़ने को भी कह दिया है.पाकिस्तान के खिलाफ अपनाए गए इस फैसले के बाद सीमा हैदर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि, श्मैं पाकिस्तान नहीं जाना चाहती हूं. श्मैं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील करती हूं कि मुझे भारत में ही रहने दिया जाए.श्बता दें कि सीमा हैदर साल 2023 में तब खबरों में आई थी, जब उसने पाकिस्तान छोड़ अपने भारतीय प्रेमी सचिन से शादी कर ली थी. सीमा पहले से ही शादीशुदा थी, लेकिन अपने प्रेमी सचिन के लिए 4 बच्चों के साथ नेपाल के रास्ते भारत में अवैध रूप से घुस आई थी. केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद सीमा हैदर का भारत में रहने का अपील वीडियो काफी वायरल हो रहा है. लोग वायरल वीडियो पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं.

## सैनिकों की सुरक्षा से समझौता माफी के काबिल नहींश, केंद्र सरकार पर भड़के अखिलेश यादव

पहलगाम हमले के बाद से ही पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव बढ़ गया है. ऐसे में बीते दिन शनिवार को सरकार ने सभी मीडिया संस्थानों को एडवाइजरी जारी कर कहा कि, सुरक्षाबलों की आवाजाही की लाइव कवरेज प्रसारित न करें. अब इसको लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया है.अखिलेश यादव ने डिफेंस ऑपरेशन की लाइव कवरेज को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि,सुरक्षा के लिहाज से स्पेशल ऑपरेशन्स की लाइव कवरेज की अनुमति क्या एक रणनीतिक लापरवाही थी या फिर ये राजनीतिक प्रचार से प्रेरित थी. ये बात सरकार तत्काल स्पष्ट करे. कल को फिर से सरकार ये कहेगी कि 'एक चूक के बाद ये दूसरी चूक'हो गयी. अखिलेश यादव ने आगे कहा कि, ष्इसका मतलब साफ है कि सुरक्षा जैसे अति संवेदनशील क्षेत्र में मीडिया का अवांछित अतिक्रमण है. लाइव कवरेज तो दुश्मन भी देखेंगे, जिससे हमारे सुरक्षा बलों की लोकेशन उनको पता चल जाएगी और रणनीति भी, इससे देश की सुरक्षा और हमारे जवानों की जान भी खतरे में डाल दी जाएगी. इस तरह की लाइव कवरेज के लिए सख्त दंडात्मक कार्रवाई हो. देश और सैनिकों की सुरक्षा से कोई भी समझौता माफी के योग्य नहीं है.पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार ने रक्षा मामलों में रिपोर्टिंग को लेकर अब एक एडवाइजरी जारी कर कहा कि, श्राष्ट्र की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया यूजर्स को सलाह दी जातीहै कि वे रक्षा और अन्य सुरक्षा से जुड़े अभियानों से संबंधित मामले में रिपो. र्टिंग करते समय सेना के ऑपरेशन की कवरेज न करें.

## बदायूं कॉलेज में फंदा से लटका मिला युवक का शव, परिवार में मातम

बदायूं उसावां थाना क्षेत्र में एक युवक का शव उनके ही निजी कॉलेज में फंदे से लटका मिला है। सूचना परिजनों ने थाना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतार कर पीएम के लिए भेजा है। युवक के आत्मघाती कदम उठाने को लेकर परिजन कुछ भी जानक. ारी नहीं पा रहे हैं।थाना क्षेत्र के गांव असधरमई निवासी गुड्डू के पिता रामनाथ सिंह के नाम पर रामनाथ सिंह इंटर कॉलेज है। इसकी देखरेख गुड़डू करता था। परिजनों ने बताया कि कॉलेज बंद होने के बाद गुड्डू का बेटा सचिन घर लौट आता था, लेकिन जब वह दोपहर बाद तक घर नहीं पहुंचा तो उन्हें चिंता हुई। इसके बाद सचिन का भाई गौरव उसे देखने कॉलेज पहुंचा तो कॉलेज के ऑफिस में सचिन का शव लटका मिला। सूचना पर परिवार के अन्य लोग भी आ गए। उन लोगों ने इसकी सूचना थाना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को उतार कर पीएम के लिए भेज दिया। घटना की वजह बताते में परिवार वाले कुछ बताने से बचते दिख रहे हैं।

## मुख्यमंत्री योगी ने गंगा एक्सप्रेसवे का किया निरीक्षण, मंत्री नितिन अग्रवाल और मुख्य सचिव भी रहे मौजूद

लखनऊ हरदोई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य का हरदोई में निरीक्षण किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को हरदोई जिले के बिलग्राम में गंगा एक्सप्रे. सवे के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उनके साथ आबकारी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह समेत कई अन्य अधिकारी मौजूद थे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना उत्तर प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक है।उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा बनाया जा रहा 600 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों को आपस में जोड़ेगा। एक्सप्रेसवे का भूमि पूजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18 दिसंबर 2021 को शाहजहांपुर में किया था जिसके जल्द पूरा होने की उम्मीद है। योगी आदित्यनाथ स्वयं इस परियोजना की निगरानी कर रहे हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि काम गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा हो।

## प्रयागराज शिक्षा निदेशालय में लगी भीषण आग, 5 हजार से ज्यादा फाइलें जलकर राख

प्रयागराज शिक्षा निदेशालय में आज सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया. शिक्षा निदेशालय में स्कूल से संबंधित 5000 से ज्यादा फाइल रखी थी, जो जलकर राख हो गई. फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है. प्रयागराज के शिक्षा निदेशालय में स्कूल एडेड संबंधित 5000 से ज्यादा फाइल जलकर राख हो गई. शिक्षा निदेशालय में सिर्फ स्कूल से संबंधित फाइल के साथ-साथ प्रदेश भर के एडेड स्कूलों में ट्रांसफर, वित्तीय लेनदेन से जुड़ी फाइलें भी यही रखी थी. लेकिन अभी तक इस बात का स्पष्ट रूप से पता नहीं चला है कि आग कैसे लगी? किन कारणों से निदेशालय में लगी आग?प्रयागराज के शिक्षा निदेशालय में आज सुबह 8 बजे कमरे से अचानक धुआं उठने लगा. रविवार के चलते आज शिक्षा निदेशालय का ऑफिस बंद रहता है. अचानक कमरे से धुआं उठने के कारण लोगों ने फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी. कमरे में रखी फा. इलों की वजह से आग की लपटें काफी तेज हो गई. कागजों की वजह से कमरे

में आग काफी तेजी से फैल गई. हालांकि पूरी तरीके से अब आग पर काबू पा लिया गया है. लेकिन आग लगने की क्या वजह रही? यह अभी पता नहीं चल पाया.शिक्षा निदेशालय के कमरा नंबर 14 और 15 में आग लग गई थी. वहां पर करीब 5000 से ज्यादा फाइल रखी हुई थी, जो जलकर राख हो गई. फायर ब्रिगेड की टीम का कहना है कि, वहां पर बिजली के चलते उन्हें कई बार करंट के झटके भी लगे. हालांकि अब आग पर पूरी तरीके से काबू पा लिया गया है. पुलिस अगल-बगल के सीसीटीवी टीवी के जरिए आग लगने के कारणों की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहीं इसके पीछे कोई साजिश तो नहीं है.

## पुलवामा हमले पर भड़के प्रमोद तिवारी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह से पूछे कई सवाल

मोदी कि मन की बात पर दिए बयान पहलगाम के पीड़ितों की न्याय मिलकर रहने की बात पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी ने एबीपी न्यूज से बात करते हुए कहा कि, मैं कहना चाहता हूं मन की बात में आप श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हो, पर आप कश्मीर क्यों नहीं गए?आपसे मैं दूसरा सवाल पूछना चाहता हूं कि जिस समय अभी उन चिताओं की राख भी नहीं ठंडी हुई थी जो पहलगाम में मारे गए थे. उस समय आपको शहीदों की उन परिजनों की चिंता नहीं थी और आप जाकर नीतीश कुमार के हाथ में हाथ डालकर बिहार का चुनाव प्रचार कर रहे थे। हादसे के दौरान फत्ज कहां थी?– प्रमोद तिवारी प्रमोद तिवारी ने आगे कहा कि, श्यही अपने पुलवामा में किया था. आप फिल्म की शू. टंग कर रहे थे. इतनी बड़ी घटना हो गई. सीमाओं से लोग क्रॉस कर गए, हथियार लेकर 26 लोगों को धर्म पूछ कर भून के रख दिया. कहां था आपका इंटेलिजेंस? यह बड़ा फेलियर है आपका। मैं पूछना चाहता हूं उस स्थल पर जहां फेलियर हुआ है.अपने 370 के बाद जो दावा किया था वह सुरक्षा व्यवस्था कहां थी? जब इतना बड़ा दर्दनाक हादसा होता रहा और इतना बड़ा कांड होकर चला गया तब आपकी क्विक रिस्पांस टीम कहां थी? प्रधानमंत्री मोदी सीधे-सीधे यह आपका फेलियर और आपकी सरकार का फेलियर है. कुछ करिए ना करिए अपने गृह मंत्री को बर्खास्त करिए या उनका इस्तीफा लीजिए.मोहन भागवत के बयान पर क्या बोले प्रमोद तिवारीसंघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान कि, अहिंसा हमारा स्वभाव है, हमारा मूल्य है, लेकिन कुछ लोग नहीं बदलेंगे, चाहे कुछ भी कर लो पर कहा कि संघ प्रमुख जो बात कह रहे हैं यह मीडिया में क्यों कर रहे हैं? क्यों नहीं बीजेपी के प्रधानमंत्री से यह बात कहते हैं। विचारधारा का फर्क है. गांधी और गोडसे के विचारधारा का फर्क है।देश पर हमला हो तो उसका भरपूर जवाब देना चाहिए। क्यों नहीं दे पाए प्रधानमंत्री मोदी। इंटेलिजेंस फेलियर इतना बड़ा हुआ तो किसको सजा देनी चाहिए. आप उनसे पूछे कि बेगुनाह लोग जब मारे गए तो फिर फत्ज टीम कहां थी. सिक्योरिटी फोर्स कहां थी. गुंडों को तो सबक सिखा देंगे पर देश के दुश्मनों को सबक कब सिखाएंगे.गृह मंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिएयोगी के बयान कि, श्यह नया भारत किसी को छेड़ता नहीं लेकिन अगर कोई छेड़ेगा तो उसको छोड़ेगा भी नहींश पर कहा कि, श्मैं बिल्कुल साफ कर देना चाहता हूं नया भारत सशक्त भारत है। इंटेलिजेंस उसका मजबूत है. यह सरकार तो कहती थी कि नोटबंदी हो गई, अब आतंकवाद खत्म हो जाएगा. 370 के बाद वहां फूल बरसाने वाले थे, पर अब जो गोलियां बरसी है. इसकी जिम्मेदारी किसको देंगे.आपके गृह मंत्री अमित शाह का फेलियर है. क्या आप उनसे आग्रह करेंगे कि नैतिकता के आधार पर गृह मंत्री पद से इस्तीफा दे. मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आप एक बार प्रधानमंत्री से कहेंगे कि वह पूछे गृह मंत्री से कि वह पूछे जहां पर इतने लोग इकट्ठा थे वहां सुरक्षा और सीआरपीएफ क्यों नहीं थी. वहां बेगुनाह मारे जाते रहे और आतंकी निकल गए.हेमंत बिस्वा के पोस्ट पर कहा कि, हेमंत बिस्वा नए-नए भाजपा में आए हैं. अपनी कुर्सी मजबूत करने के लिए ऐसी ऊल जुलूल बातें करते हैं. मैं उनसे कहूंगा नेहरू तक न पहुंचे. नेहरू महान थे, आप इतने दिन कांग्रेस में थे. मैंने आपको बोलते हुए सुना है तब यह सवाल आपने क्यों नहीं पूछा. मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि तीन बार प्रधानमंत्री अटल जी रहे तब यह समझौता क्यों नहीं तोड़ा गया. 11 साल से आपके मोदी जी मौजूद हैं. तब उन्होंने संधि को क्यों नहीं समाप्त किया.

# हाथरस में युवक को मारी गोली, हालत गंभीर

## पुरानी रंजिश को लेकर किया हमला, आरोपी हुआ फरार

हाथरस के चंदपा कोतवाली क्षेत्र में आज सुबह एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ। चंदपा कोतवाली क्षेत्र के बिसाना गांव निवासी राजकुमार पुत्र महेश खेत में शौच के लिए गया था। वह जब शौच करके वापस लौट रहा था तो वहां पहले से मौजूद एक हमलावर ने उस पर गोली चला दी।गोली राजकुमार के पैर में लगी। वह घायल अवस्था में कुछ दूर तक भागा और फिर गिर गया। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। मौके पर भीड़ लग गई। इस दौरान हमलावर फरार हो गया। इस दौरान उसके परिवार के लोग भी आ गए।जिला अस्पताल में कराया भर्तीस्थानीय लोगों ने घायल राजकुमार को जिला अस्पताल पहुंचाया। साथ ही घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस के अनुसार राजकुमार का गांव के कुछ लोगों से पुराना विवाद चल रहा था। इसको लेकर पहले भी मारपीट की घटना हो चुकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# हाथरस में तालाब में नहाते समय डूबकर बच्चे की मौत

हाथरस में सिकंद्राराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव बिलार में 9 साल के बच्चे की तालाब में डूबने से मौत हो गई। उसकी पहचान देव पुत्र हरविलास के रूप में हुई। वह जो कक्षा चार का छात्र था। घटना आज सुबह की है, जब देव अपने कुछ दोस्तों के साथ गांव के पास स्थित तालाब में नहाने गया था।नहाते समय वह अचानक तालाब में डूब गया। उसके साथी बच्चों ने शोर मचाया, जिससे आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने तुरंत बच्चे को तालाब से बाहर निकाला। उस समय वह बेहोश था। उसे तत्काल अलीगढ़ के अस्पताल ले जाया गया। लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। परिवार वाले शव को वापस गांव ले आए।मृतक के पिता हरविलास ई–रिक्शा चलाकर परिवार का भरण–पोषण करता है। पुलिस ने शव को

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है।

# अलीगढ़ में सपा सांसद रामजीलाल सुमन के काफिले पर हमला, करणी सेना ने फेंके टायर

अलीगढ़ के गभाना टोल प्लाजा के निकट बड़ी तादाद में करणी सेना के पदाधिकारी एकत्रित हुए थे. जहां सपा सांसद रामजीलाल सुमन के काफिले में जा रही गाड़ियों के ऊपर टायर फेंके गए. राणा सांगा विवाद के बीच अलीगढ़ में समा. जवादी पार्टी सांसद रामजीलाल सुमन के काफिले पर हमला हुआ है. करणी सेना और क्षत्रीय महासभा के पदाधिकारियों ने रामजीलाल सुमन के काफिले के ऊपर टायर फेंके हैं. अलीगढ़ के गभाना टोल प्लाजा के निकट बड़ी तादाद में करणी सेना के पदाधिकारी एकत्रित हुए थे. इस दौरान सपा सांसद रामजीलाल सुमन के काफिले में जा रही गाड़ियों के ऊपर टायर फेंके गए. टायर फेंकने से काफिले की गाड़ियों आपस में भिड़ गईं. वहीं इस हमले को लेकर समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन ने कहा, ष्ये टोल है और हमें पुलिस प्रशासन ने रोक दिया, मामला बहुत गंभीर है. बुलंदशहर में दलितों के उत्पीड़न की 6 घटनाएं हुई है. इस समय पूरे उत्तर प्रदेश में एक बाढ़ सी आई हुई है. उनकी(दलित परिवार) नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म हो रहे हैं, उनकी बारात रोकी जा रही है और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तोड़ी जा रही है.ष्इस हमले के बाद सपा सांसद रामजीलाल सुमन को अलीगढ़ पुलिस ने वापस आगरा के लिए रवाना किया और अलीगढ़ सीमा से बाहर हाथरस सीमा में जाकर उन्हें छोड़ा. बता दें कि सपा सांसद रामजी लाल सुमन के द्वारा राणा सांगा को लेकर विवादित बयान दिया गया था.

# हाथरस में भाजपा जिला कार्यालय पर वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की कार्यशाला आयोजित की गई

हाथरस में भाजपा जिला कार्यालय पर वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की कार्यशाला आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर भारद्वाज मुख्य अतिथि रहे।भारद्वाज ने बताया कि 2013 के अधिनियम में वक्फ बोर्ड को बिना पर्याप्त जांच के संपत्तियों को वक्फ घोषित करने का अधिकार था। केंद्र सरकार ने अब इस अधिनियम में संशोधन किया है। नए नियम के अनुसार वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण अनिवार्य है, जो 1923 के मुस्लिम वक्फ अधिनियम में भी आवश्यक था।जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी ने कहा कि यह संशोधन वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इससे

मुस्लिम समाज के अधिकारों का हनन नहीं होगा। कार्यक्रम में सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर, सिकंद्रराऊ विधायक वीरेंद्र सिंह राना और नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी ने भी विचार रखे।कार्यशाला के बाद पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। हाफिज सब्बीर अहमद के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में रूपेश उपाध्याय, हरी शंकर राना, महेंद्र सिंह आचार्य, डॉली माहौर, हरीश सेंगर समेत काफी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# हाथरस में कश्मीर में हुए आतंकी हमले के विरोध में राष्ट्रीय हनुमान दल ने तालाब चौराहे पर प्रदर्शन किया

हाथरस में कश्मीर में हुए आतंकी हमले के विरोध में राष्ट्रीय हनुमान दल ने तालाब चौराहे पर प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पाकिस्. तान का पुतला फूंका। उन्होंने प्रधानमंत्री से पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर प्रधानमंत्री को प्रेषित एक ज्ञापन कोतवाली निरीक्षक हा. थरस को दिया।प्रदर्शन में राष्ट्रीय हनुमान दल के बृज प्रदेश अध्यक्ष मुकेश सारस्वत, जिला अध्यक्ष गजेंद्र चौधरी, महामंत्री चंद्र प्रकाश, संरक्षक हरिमोहन शर्मा, छोटेलाल, दीपक, विष्णु, मनोज, अन्नू, श्रीमती सर्वेश, डालचंद, हरेंद्र आदि मौजूद थे। शहर अध्यक्ष रोहित सिंह समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद थे।मुस्लिम समाज ने भी किया विरोध प्रदर्शन सादाबाद तहसील के कस्बा सहपऊ में मुस्लिम संगठनों ने भी विरोध प्रदर्शन किया। शेर शाह के नेतृत्व में लोगों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। कैंडल मार्च निक. ाला और पाकिस्तान का पुतला जलाया। मुस्लिम समाज के लोगों ने कहा कि वे भारतीय हैं और देश के लिए अपनी जान भी दे सकते हैं। उन्होंने पाकिस्तान के आतंकी हमले की कड़ी निंदा की।

# सपा सांसद रामजी लाल सुमन बाल–बाल बचे

समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के काफिले की गाड़ियां आपस में टकरा गईं. हादसे में सपा सांसद रामजी लाल सुमन बाल–बाल बच गए. आरोप है कि करणी सेना के लोगों ने काफिले पर टायर फेंके. हादसे में सपा सांसद सुरक्षित हैं. काफिले में शामिल कई गाड़ियों को नुकसान हुआ है. बुलंदशहर जाते समय हुआ हादसा बताया गया कि सपा सांसद रामजी लाल सुमन आगरा से बुलंदशहर जा रहे थे. जैसे ही उनका काफिला अलीगढ़ के गभाना टोल प्लाजा के पास पहुंचा. आरोप है कि करणी सेना और क्षेत्रीय महासभा के पदाधिकारियों ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन के काफिले पर टायर फेंकने लगे. इस दौरान काफिला में शामिल कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं.

हादसे में सपा सांसद रामजी लाल सुमन बाल–बाल बच गए. टोल प्लाजा पर एकत्रित हुए थे करणी सेना के लोग बताया गया कि गभाना टोल प्लाजा के पास बड़ी तादाद में करणी सेना के पदाधिकारी एकत्रित हुए थे. आरोप है कि सपा सांसद रामजी लाल के काफिले में टायर फेंकने पर गाड़ियों की रफ्तार धीमी हो गई. पीछे से आ रही गाड़ियां टकरा गईं. बता दें कि सपा सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा राणा सांगा को लेकर विवादित बयान दिया गया था. करणी सेना उनके बयानों को लेकर विरोध कर रही है.

# डीएम की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 30 अप्रैल को

अलीगढ़ जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में 30 अप्रैल को सांय 04 बजे से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आहुत की जाएगी।सचिव जिला सड़क सुरक्षा समितिएवं अधिशासी अभियंता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग योगेश कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए संबंधित अधिकारियों से आव्हान किया है कि अपने विभाग से संबंधित अनुपालन आख्या व अद्यतन सूचनाओं सहित ससमय बैठक में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

# श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ से पूर्व 151 कलशों की शोभायात्रा निकाली गई

हाथरस के सादाबाद तहसील स्थित मढ़ाका गांव में श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ से पूर्व 151 कलशों की शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा गांव के शिव मंदिर से शुरू हुई। इसमें 151 कन्याएं सिर पर कलश लेकर नंगे पैर चलीं।शोभायात्रा में श्रद्धालु महिलाएं, पुरुष और युवा भक्ति गीतों पर नृत्य करते हुए चले। परीक्षित रेवेंद्र सिंह अपने सिर पर श्रीमद् भागवत ग्रंथ लेकर चल रहे थे। श्रद्धालुओं ने गांव में कई स्थानों पर रुककर भागवत ग्रंथ की आरती उतारी।यात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से होते हुए शिव मंदिर पर संपन्न हुई। इसके बाद भागवत प्रवक्ता कमल किशोरी जी ने कथा का सार बताया। उन्होंने कहा कि कलयुग में भागवत कथा श्रवण से मोक्ष

प्राप्त होता है। पाप करने वाले भी यदि कथा सुनते हैं तो उन्हें मुक्ति मिलती है।श्रद्धालुओं का कहना था कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा था जैसे वे गोवर्धन महाराज के साथ मथुरा–वृंदावन की परिक्रमा कर रहे हैं। भागवत कथा 7 दिनों तक गांव के शिव मंदिर में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगी। कथा के बाद रोज आरती और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होगा।

# सादाबाद तहसील के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में कुल 225 मरीजों का इलाज किया गया

सादाबाद तहसील के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में कुल 225 मरीजों का इलाज किया गया। ब्लॉक सादाबाद के बिसावर, बिलारा, ऊंचा गांव, मई और जैतई स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 167 मरीजों की जांच की गई।ब्लॉक सहपऊ के आरती और मा. निकपुर केंद्रों पर 58 मरीजों को दवाएं दी गईं। अधिकतर मरीज उल्टी–दस्त और बुखार से पीड़ित थे। वे अपने उपकरणों के साथ आते थे और मरीजों की विस्तृत जांच करते थे। लेकिन अब प्रदेश में चि. कत्सकों की कमी के कारण केवल स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर और स्टाफ ही मरीजों को देख रहे हैं। विशेषज्ञ चि. कत्सकों की अनुपस्थिति के कारण मेले में मरीजों की संख्या भी कम होती जा रही है।सादाबाद सीएचसी प्रभारी डॉक्टर पशु–पक्षियों के लिए प्रतिदिन स्वच्छ पानी भर सकते हैं, वे संस्था से सीमेंट कंक्रीट की नांद प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक लोग संस्थापक राजीव वार्ष्णेय से फोन पर संपर्क कर सकते हैं।नांद ग्राम चिन्तापुर कशिशा डेरी फार्म हाउस या थाना हाथरस गेट के पास से प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम में एडवोकेट राधा माधव शर्मा की पुत्री प्रगल्भा भारद्वाज ने एक नांद में जल भरकर इस सेवा का शुभारंभ किया।कार्यक्रम में राजीव वार्ष्णेय, राधा माधव शर्मा, राजेंद्र वार्ष्णेय, नारायण लाल, कृष्णगोपाल, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष गौरव पचौरी, संदीप सिंह, सतीश चंद शर्मा, ललित सिसोदिया, गौरव चौधरी, अशोक कुमार पिपल, अभिनव भारद्वाज, प्रगल्भा भारद्वाज, अंश भारद्वाज और नरेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हाथरस में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जोगिया स्थित महाराणा प्रताप शाखा में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया। जिला बौद्धिक शिक्षण प्रमुख पवन शर्मा ने कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में स्वयं सेवकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शाखा संघ का मूल आधार है।यहां स्वयंसेवकों में संस्कारों के साथ राष्ट्र भक्ति का बीजारोपण होता है। शाखा से जुड़े स्वयंसेवक अपने कुशल नेतृत्व और सेवा भाव से समाज के लिए काम करते हैं। कार्यक्रम में शाखा कार्यवाह प्रेमपाल ने वार्षिक प्रत्यावेदन प्रस्तुत किया। नगर कार्यवाह भानु, कार्यक्रम के अध्यक्ष कुशलपाल सिंह और जिला बौद्धिक प्रमुख पवन शर्मा ने भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन किया।कार्यक्रम का संचालन सह नगर कार्यवाह टिंकू राना ने किया। जिला गौ सेवा प्रमुख देवेंद्र तोमर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सह जिला कार्यवाह आलोक पचौरी, जिला प्रचार प्रमुख आशीष सेंगर समेत काफी स्वयंसेवक मौजूद रहे।

# वैशाख अमावस्या मोक्ष-मनोकामनाओं की पूर्ति का पर्व, किन कार्मों को करने से मिलेगा पुण्य

अप्रैल को वैशाख मास की अमावस्या है, इसे सतुवाई अमावस्या कहा जाता है. इस तिथि पर पूजा–पाठ के साथ ही दान–पुण्य और पितरों के लिए धूप–ध्यान करने की परंपरा है. ज्योतिष में सूर्य को रविवार का कारक ग्रह माना जाता है इसलिए रविवार और अमावस्या के योग में दिन की शुरुआत सूर्य पूजा के साथ करनी चाहिए. इस अमावस्या पर सत्तु का दान करने का विधान है. शास्त्रों के अनुसार वैशाख मास भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है और इस मास की अमावस्या तिथि का धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व होता है. शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान–पुण्य और भगवान लक्ष्मी नारायण की विधिपूर्वक पूजा करने से व्यक्ति को न केवल समस्त पापों से मुक्ति मिलती है, बल्कि मृत्युपरांत मोक्ष की भी प्राप्ति होती है.अभी गर्मी का समय है, इसलिए वैशाख अमावस्या पर जरूरतमंद लोगों को जूते–चप्पल, जल, कपड़े, खाना और छाते का दान करना चाहिए. अमावस्या को भी पर्व की तरह माना जाता है. इस तिथि के स्वामी पितर देव माने जाते हैं. सत्तुवाई अमावस्या का महत्वअमावस्या के दिन गंगा नदी में स्नान करना, पितृ तर्पण, पितृ पूजा, और दान पुण्य करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है. वैशाख अमावस्या को पवित्र गंगा नदी में स्नान करने के साथ–साथ शनि देव और भगवान विष्णु की पूजा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है. इसके अलावा, इस दिन किए गए धार्मिक अनुष्ठान जीवन में समृद्धि, शांति और सकारात्मक ऊर्जा लाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम माने जाते हैं.इस दिन का माहौल विशेष रूप से संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति के लिए उपयुक्त होता है, और यह समृद्धि और आत्मविकास की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है. साथ ही, वैशाख अमावस्या पर पितृ तर्पण करने से पितरों के आशीर्वाद की प्राप्ति होती है, और यह दिन परिवार के लिए एकता और सौहार्द की भावना को भी बढ़ावा देता है. इस दिन विशेष रूप से दान पुण्य का महत्व है, जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख–समृद्धि आती है.वैशाख अमावस्या वैशाख अमावस्या 27 अप्रैल 2025 की सुबह 04रू49 से 28 अप्रैल 2025 की सुबह 1 बजे तक रहेगी. इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान–दान का विशेष महत्व माना जाता है.पितरों के लिए धूप–ध्यानपितरों के लिए धूप–ध्यान करने का सबसे अच्छा समय दोपहर का होता है. सुबह–शाम देवी–देवताओं की पूजा के लिए सबसे अच्छा समय रहता है और दोपहर में करीब 12 बजे पितरों के लिए धूप–ध्यान करने का समय बताया गया है. इस समय को कुतप काल कहते हैं. अमावस्या की दोपहर में गोबर के कंडे जलाएं और जब कंडों से धुआं निकलना बंद हो जाए, तब अंगारों पर गुड़ और घी से धूप अर्पित करें. दान–पुण्यइस अमावस्या पर किसी पवित्र नदी में स्नान करें और स्नान के बाद नदी किनारे दान–पुण्य जरूर करें.इस अमावस्या पर किसी सार्वजनिक स्थान पर प्याऊ लगवाएं या किसी प्याऊ में मटके का और जल का दान भी कर सकते हैं.जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं.मौसमी फल जैसे आम, तरबूज, खरबूजा का दान करें. जूते–चप्पल, सूती वस्त्र, छाता भी दान कर सकते हैं.किसी गोशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें और गायों को हरी घास खिलाएं.वैशाख अमावस्या पर कौन से शुभ काम करेंअमावस्या पर सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करें.इसके लिए तांबे के लोटे का इस्तेमाल करें. अर्घ्य चढ़ाते समय ऊँ सूर्याय नमरू मंत्र का जप करना चाहिए.सूर्य को पीले फूल चढ़ाएं. सूर्य देव के लिए गुड़ का दान करें. किसी मंदिर में पूजा–पाठ में काम आने वाले तांबे के बर्तन दान कर सकते हैं.घर की छत पर या किसी अन्य सार्वज. निक स्थान पर पक्षियों के लिए दाना–पानी रखें.वैशाख मास की अमावस्या पर ऊँ नमरू शिवाय मंत्र का जप करते हुए शिव. लिंग पर ठंडा जल चढ़ाएं.बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े का फूल, जनेऊ, चावल आदि पूजन सामग्री अर्पित करें.मिठाई का भोग लगाएं। धूप–दीप जलाएं, आरती करें. पूजा के बाद प्रसाद बांटें और खुद भी लें.किसी मंदिर में शिवलिंग के लिए मिट्टी के कलश का दान करें, जिसकी मदद से शिवलिंग पर जल की धारा गिराई जाती है.

●हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं और सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करें, जिससे आत्मबल और मानसिक शांति मिले.

●किसी मंदिर में धूप बत्ती, घी, तेल, हार–फूल, भोग के लिए मिठाई, कुमकुम, गुलाल, और भगवान के लिए वस्त्र जैसी पूजा सामग्री का दान करें.चावल से तृप्त होते हैं पितर देवभविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि चावल से बने सत्तू का दान इस दिन पित. रों के लिए किए जाने वाले श्राद्ध में चावल से बने पिंड का दान किया जाता है और चावल के ही आटे से बने सत्तू का दान किया जाता है। इससे पितृ खुश होते हैं। चावल को हविष्य अन्न कहा गया है यानी देवताओं का भोजन। चावल का उपयोग हर यज्ञ में किया जाता है। चावल पितरों को भी प्रिय है। चावल के बिना श्राद्ध और तर्पण नहीं किया जा सकता। इसलिए इस दिन चावल का विशेष इस्तेमाल करने से पितर संतुष्ट होते हैं।वैशाख अमावस्या की महिमा इस मास की सभी तिथियां पुण्यदायिनी मानी गई है. एक–एक तिथि में किया हुआ पुण्य कोटि–कोटि गुना अधिक होता है. उनमें भी जो स्कंद पुराण के अनुसार परम पवित्र वैशाख मास में जब सूर्य मेष राशि में स्थित हों,तब पापनाशिनी अमावस्या कोटि गया के समान फल देने वाली मानी गई है. जो प्राणी इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करके पितरों के निमित्त श्रद्धा पूर्वक जल से भरा हुआ कलश, तिल, पिंड और वस्त्र दान करता है, उसे अक्षय फल की प्राप्ति होती है एवं उसके पितरों को मोक्ष मिलता है.यदि कोई व्यक्ति पूर्वजों की आत्मा की शांति हेतु इस दिन व्रत रखता है, ब्राह्मणों को भोजन कराता है और श्रद्धा से पिंडदान करता है, तो न केवल उसके पितर तृप्त होते हैं, बल्कि उसे स्वयं भी मोक्ष की प्राप्ति होती है. इस दिन प्याऊ लगाना,छायादार वृक्ष लगाना,पशु–पक्षियों के खान–पान की व्यवस्था करना,राहगीरों को जल पिलाना जैसे सत्कर्म मनुष्य के जीवन को समृद्धि के पथ पर ले जाते हैं.

## 30 नहीं, 29 अप्रैल को है परशुराम जयंती! जानें पूजा विधि, शुभ मुहूर्त और धार्मिक महत्व

उज्जैन. हिन्दू धर्म में परशुराम जयंती का खास महत्व है. पंचांग के अनुसार, हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली तृतीया तिथि पर विष्णु जी के छठे अवतार भगवान परशुराम जी की जयंती मनाने का विधान है. भगवान विष्णु के इस अवतार को बहुत ही उग्र माना जाता है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन सच्चे मन से भगवान परशुराम की पूजा करने से ज्ञान, साहस और शौर्य आदि की प्राप्ति होती है. साथ ही जीवन में खुशियां बढ़ती हैं. उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानते है इस बार यह तिथि कब आ रही है.अक्षय तृतीया डेट और शुभ मुहूर्त ?वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 29 अप्रैल को शाम 05 बजकर 31 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 30 अप्रैल को दोपहर 02 बजकर 12 मिनट पर तिथि खत्म होगी. ऐसे में 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाएगा.कब मनाई जाएगी पशुराम जयंती?धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रदोष काल में भगवान परशुराम का अवतार हुआ है. इसलिए वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन प्रदोष काल में भग. वान परशुराम विशेष पूजा–अर्चना करने का विधान है. ऐसे में 29 अप्रैल को परशुराम जयंती मनाई जाएगी.भगवान परशुराम जयंती का धार्मिक महत्व परशुराम जयंती पर श्रद्धालु व्रत रखते हैं. भगवान परशुराम की प्रतिमा या चित्र की विधिपूर्वक पूजा करते हैं. उनके जन्म की कथा का पाठ, हवन और दान करना भी इस दिन विशेष पुण्यकारी माना जाता है. परशुराम जी को ब्राह्मण और क्षत्रिय दोनों के गुणों का प्रतीक माना जाता है. इसलिए उनकी पूजा से ज्ञान, शक्ति और न्याय की प्राप्ति होती है.परशुराम जयंती पर जरूर करें इन मंत्रों का जाप ब्रह्मक्षत्राय विद्महे क्षत्रियान्ताय धीमहि तन्नो रामरू प्रचोदयात।। जामदग्न्याय विद्महे महावीराय धीमहि तन्नो परशुरामरू प्रचोदयात।। रां रां रां रां परशुहस्ताय नमरू।।

## अक्षय तृतीया पर 10 शुभ योग, 17 साल बाद बुधवार–रोहिणी नक्षत्र का संयोग

हर साल वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया पर अक्षय तृतीया पर्व मनाया जाता है। इस बार ये पर्व 30 अप्रैल, बुधवार को मनाया जाएगा। खास बात ये है कि इस बार अक्षय तृतीया पर 1–2 नहीं बल्कि पूरे 10 शुभ योगों का संयोग बनेगा। जिसके चलते इस दिन की गई पूजा, उपाय, हवन आदि का 10 गुना फल मिलेगा। इस दिन की गई खरीदी भी शुभ फल देने वाली रहेगी। आगे जानिए इस बार अक्षय तृतीया पर कौन–कौन से शुभ योग बनेंगे३17 साल बाद रोहिणी नक्षत्र और बुधवार का संयोगइस बार अक्षय तृतीया का पर्व 30 अप्रैल, बुधवार को मनाया जाएगा। इस दिन रोहिणी नाम का नक्षत्र रहेगा। बुधवार को रोहिणी नक्षत्र और अक्षय तृतीया का संयोग 17 साल पहले 7 मई 2008 को बना था। इस शुभ संयोग में प्रॉपर्टी से जुड़े काम करने से कई गुना ज्यादा फायदा मिलता है। अब ऐसा शुभ संयोग 27 साल बाद यानी 2052 में बनेगा। अक्षय तृतीया पर बन रहे इस शुभ संयोग के चलते रियल एस्टेट बाजार में बड़ा बूम आने की उम्मीद है।?अक्षय तृतीया पर बनेंगे 10 शुभ योगउज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. प्रवीण द्विवेदी के अनुसार, 30 अप्रैल, बुधवार को 10 शुभ योग बनने से इस बार का अक्षय तृतीया पर्व बहुत ही खास रहेगा। इस दिन पारिजात, गजकेसरी, केदार, काहल, हर्ष, उभयचरी और वाशी नाम के 7 राजयोग बनेंगे। इनके अलावा सर्वार्थसिद्धि, शोभन और रवि योग नाम के 3 अन्य शुभ योग भी इस दिन रहेंगे। इतने सारे शुभ योग एक दिन होने से इस दिन किए गए पूजा–पाठ और उपाय आदि का विशेष फल मिलेगा। अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना बहुत शुभ माना जाता है क्योंकि सोने का रंग पीला है जो गुरु ग्रह से संबंधित है। गुरु ग्रह जिसकी कुंडली में शुभ स्थिति में होता है, उसके अपने जीवन में हर तरह का सुख मिलता है। साथ ही एक मान्यता ये भी है अक्षय तृतीया पर ही देवी लक्ष्मी ने कुबेरदेव को धन का स्वामी बनाया था। जिसके चलते इस दिन खरीदा गया सोना सुख–समृद्धि और घर में शांति लाने वाला होता है।

## वृंदावन आम के सीजन से पहले सजाया गया 'मैंगो फूल बंगला', ठाकुर बांके बिहारी हुए विराजमान

उत्तर प्रदेश की तीर्थ नगरी वृंदावन के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में, भगवान को विशेष रूप से आम के फूलों से सजे एक बंगले में विराजमान किया गया है. 'मैंगो फूल बंगला' नाम से प्रसिद्ध इस बंगले को बनाने में लगभग 20 कुंतल आमों का इस्तेमाल हुआ है. यह मनमोहक दृश्य भक्तों के लिए भावुक पल बन गया. गर्मी के मौसम में यह परंपरा हर साल निभाई जाती है, जिसमें भक्तजन अपनी श्रद्धा और कलात्मकता का प्रदर्शन करते हैं.मंदिर के सेवायत ने बताया कि गर्मी का सीजन शुरू होते ही ठाकुर महाराज के लिए फूल बंगले बनाए जाते हैं.ठाकुर बांके बिहारी महाराज को विशेष फूल बंगले में विराजमान किया गया है, जिसका नाम 'मैंगो फूल बंगला' रखा गया है. शुक्रवार की शाम को ठाकुर जी ने विशेष दर्शन भक्तों द्वारा तैयार किए गए मैंगो फूल बंगले में दिए. इसे लगभग 20 कुंतल आम का प्रयोग कर तैयार किया गया. इसके अलावा 20 कुंतल आम का प्रयोग करके ठाकुर बांके बिहारी महाराज के लिए एक कुंज बनाई गई, जिसमें ठाकुर बांके बिहारी महाराज को विराजमान किया गया.कई वैरायटी के फूल किए इस्तेमालशाम को ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के पट खुले और भक्तों ने ठाकुर बांके बिहारी महाराज को आम के बंगले में वि. राजमान होते हुए देखा. इस बीच भक्तों ने जमकर जयकारे लगाए. ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में बनाए गए बंगले में आम के साथ–साथ कई तरह के देसी और विदेशी फूलों का भी प्रयोग किया गया, जिसमें गुलाब, राय, बेल, रजनीगंधा और गेंदा के कई विभिन्न प्रकार के फूलों का प्रयोग किया गया. इनसे मंदिर प्रांगण को फूलों से सजाया गया था.भक्तों को भाया 'मैंगो फूल बंगला'मंदिर के सेवायत मोहन गा.

स्वामी ने बताया कि यहां निरंतर अनेकों प्रकार के फूल बंगले ठाकुर बांके बिहारी के बनते रहते हैं. उन्होंने बताया कि जो वक्त का भाव होता है, भक्त उसी भाव में भगवान को देखता है. भगवान भी इसी रूप में भक्तों को दर्शन देते हैं, इसलिए वक्त का भाव रहा कि वह 'मैंगो फूल बंगला' बनाएं. इसलिए भगवान को 'मैंगो फूल बंगले' में विराजमान किया गया.

## सुहागिन के लिए 16 सोलह श्रृंगार की हर वस्तु का अपना अलग धार्मिक महत्व

सोलह श्रृंगार उसकी वैवाहिक स्थिति का प्रतीक होता है, एक आशीर्वाद का प्रतिनिधित्व करता है.सोलह श्रृंगार में क्या–क्या शामिल है और उनका धार्मिक महत्व क्या है. बिंदी – "बिंदी" शब्द की उत्पत्ति संस्कृत शब्द "बिंदु" से हुई है. यह भगवान शिव की तीसरी आँख का प्रतीक है. विवाहित महिलाएँ अपने माथे पर बिंदी लगाना अत्यंत महत्वपूर्ण मानती हैं. भौंहों के बीच का स्थान एक महत्वपूर्ण तंत्रिका केंद्र है, जिसे ध्यान के दौरान कुंडलिनी ऊर्जा को जागृत करने में सहायक माना जाता है. इस स्थान को ष्आज्ञा चक्रष् कहा जाता है, जो महिला को मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है.सिंदूर – विवाहित महिलाएँ अपने पति की लंबी उम्र के लिए अपनी मांग में सिंदूर भरती हैं. इसके अलावा, सिंदूर महिला के सहस्रार चक्र को सक्रिय रखता है. यह महिला को सतर्क बनाए रखता है और उसे बुद्धिमानी से सोचने के लिए मदद करता है.नथ – भारतीय संस्कृति में नथ या नथनी सबसे पारंपरिक और सांस्कृतिक आभूषणों में से एक है. यह विवाहिता महिला की पहचान मानी जाती है. आयुर्वेद के अनुसार, नाक छि. दवाने से प्रसव और मासिक धर्म संबंधी समस्याओं में राहत मिल सकती है.मंगलसूत्र – यह प्रेम, समर्पण और वैवाहिक दीर्घायु का आध्यात्मिक प्रतीक है. ये काले मोती और सोने से बना होता है. मान्यताओं के अनुसार मंगल सूत्र पहनने से सुहाग की रक्षा होती है और साथ ही वैवाहिक जीवन भी सुखद बना रहता है.बिछिया – ऐसा माना जाता है कि इसे पहनने से महिलाओं का स्वास्थ्य अच्छा रहता है और घर में समृद्धि भी आती है. ये सुहागिन का प्रतीक है. बिछिया पहनने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और अपनी कृपा बनाए रखती हैं. साथ ही बिछिया पहनने से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है.

## सुबह सुनहरे शृंगार में तो शाम को सर्वांग दर्शन... अक्षय तृतीया पर चरण दर्शन देंगे बांकेबिहारी

वृंदावन। अक्षय तृतीया पर 30 अप्रैल को ठाकुर बांकेबिहारी के दिव्य दर्शन का लाभ देश–दुनिया के भक्तों को मिलेगा। वर्ष भर में एक ही दिन ठाकुरजी अपने भक्तों को चरण दर्शन देते हैं। अक्षय तृतीया पर सुनहरा शृंगार कर बेशकीमती पोशाक भी धारण करेंगे और इसी दिन भक्तों को ठाकुरजी के चरणों के दर्शन संभव हो सक. ेंगे। सेवायत सवा किलो चंदन का लड्डू भी ठाकुर जी के चरणों में अर्पित करेंगे।अक्षय तृतीया पर ठाकुर बांकेबिहारी सुबह और शाम अलग–अगल रूप में भक्तों को दर्शन देंगे। सुबह राजभोग सेवा में ठाकुरजी सुनहरा शृंगार कर भक्तों को चरण दर्शन देंगे, तो शाम को शयनभोग सेवा में चंदन लेपन कर सर्वांग दर्शन देंगे। इस दिन ठाकुरजी मोर, मुकुट, कटि–काछनी में, तो शाम को चंदन लेपन कर सर्वांग दर्शन देकर भक्तों के मन को मोह लेंगे। अक्षय तृतीया के दिन होने वाले ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन इसलिए भी खास माने जाते हैं, कि केवल इसी दिन भक्तों को उनके चरणों के दर्शन होते हैं। सुबह और शाम अलग–अलग सेवायत चंदन के लड्डू ठाकुरजी के चरणों में अर्पित करते हैं। ठाकुर बांकेबिहारीजी को गर्मी से शीतलता प्रदान करने के लिए चंदन लेपन किया जाता है। इस बार भी अक्षय तृतीया के दिन यानी कि 30 अप्रैल को ठाकुरजी को 51 किलो चंदन अर्पित किया जाएगा, जो चंदन के लड्डू व सर्वांग चंदन लेपन के रूप में होगा। इसके लिए चंदन की घिसाई अभी से शुरू हो चुकी है।विशेष होगा बा. केबिहारी का शृंगार अक्षय तृतीया पर ठाकुर बांकेबिहारी को पीले रंग की विशेष पोशाक धारण कराई जाएगी। अक्षय तृतीया पर ठाकुरजी के दिव्य चरण व सर्वांग चंदन लेपन दर्शन होते हैं। जो कि श्रद्धालुओं के लिए दुर्लभ दर्शन हैं। ठाकुरजी के पूरे शरीर पर चंदन लेपन, लांघ बंधी धोती, सिर से पैर तक स्वर्ण शऋंगार, सोने, हीरे और जवाहरात से जड़े कटारे, टिपारे, चरणों में चंदन का लड्डू ठाकुरजी के दर्शन को दिव्य बनाते हैं।

# एटा में पीलिया से जूझ रहे दरोगा का निधन

## गाजियाबाद में इलाज के दौरान मौत, 2015 में पुलिस विभाग में हुए थे भर्ती

एटा जिले के मिरहची थाने में तैनात उप. निरीक्षक हेमंत वर्मा की तबीयत शनिवार रात अचानक बिगड़ गई। आनन–फानन में सहयोगी पुलिसकर्मियों ने उन्हें एटा के वीरांगना अवंतीबाई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के दौरान दरोगा को मृत घोषित कर दिया। हेमंत वर्मा लंबे समय से पीलिया की बीमारी से जूझ रहे थे और गाजियाबाद के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था।मौके पर पहुंचे एसएसपीदरोगा के निधन की सूचना मिलते ही एटा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्याम नारायण सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार सिंह मौके पर पहुंचे। मेडिकल कॉलेज में रोते–बिलखते परिजनों से मिलकर अधिकारियों ने उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। एसएसपी ने कहा कि पुलिस परिवार इस दुख की घड़ी में दिवंगत दरोगा के परिवार के साथ खड़ा है।2015 बैच के थे उपनिरीक्षक जानकारी के मुताबिक, हेमंत वर्मा वर्ष 2015 बैच के उपनिरीक्षक थे और गाजियाबाद के पिलखुवा क्षेत्र के रहने वाले थे। लंबे समय से पीलिया से पीड़ित होने के बा. वजूद वे अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा से निभा रहे थे। हाल ही में उनकी तबीयत ज्यादा खराब होने पर गाजियाबाद के जसौदा अस्पताल में इलाज चल रहा था। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें एटा के मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।पुलिस विभाग में शोक की लहर हेमंत वर्मा के निधन से एटा पुलिस परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। सहयोगी पु. लिसकर्मियों और अधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी सेवाओं को याद किया। एसएसपी ने कहा कि उप. निरीक्षक के परिवार को विभाग की ओर से हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

# कासगंज वृद्धावस्था पेंशन पाने वालों का होगा सत्यापन, अपात्र होंगे बाहर

कासगंज राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के लाभार्थी बुजुर्गों का समाज कल्याण विभाग के द्वारा सत्यापन किया जाएगा। जिसके लिए लाभार्थियों की सूची तैयार की गई है। जनपद के 19300 लाभार्थियों का सत्यापन होगा। सत्यापन में जो नाम हटेंगे उनके स्थान पर उन बुजुर्गों को शामिल किया जाएगा जिन्हें योजना का लाभ नहीं मिल रहा है।पेंशन योजना में समाज कल्याण विभाग के द्वारा बुजुर्गों को प्रतिमाह एक हजार रुपये पेंशन धारकों के बैंक खातो में भेजता है। जिससे बुजुर्गों को खासी राहत मिलती है। इस योजना में लाभ पा रही लाभार्थियों की सूची बनाकर उनका सत्यापन विभाग करेगा और उनका क्रॉस वेरीफिकेशन कर यह सु. निश्चित करेगा कि पात्र लाभार्थी को योजना का लाभ मिल रहा है।जो नाम काटे जाएंगे उनके स्थान में जीरो पॉवर्टी परिवारों में चिन्हित बुजुर्गों को जोड़ा जाएगा।समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पांडेय ने बताया कि जीरो पॉवर्टी परिवार के 736 बुजुर्ग चिन्हित किए गए हैं। जिन्हें सत्यापन के दौरान पेंशन योजना से हटने वाले नामों के स्थान पर जोड़ा जाएगा।

# कासगंज में दारोगा की हार्ट अटैक से मौत

कासगंज जिले की सोरों कोतवाली में तैनात दारोगा श्याम किशोर अवस्थी की हार्ट अटैक से मौत हो गई है। दरोगा श्याम किशोर अवस्थी राजेंद्र किशोर अवस्थी के पुत्र थे।ड्यूटी के दौरान अचानक उनके सीने में दर्द उठा। तुरंत उन्हें कासगंज जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक दारोगा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।इस घटना से पूरे पुलिस विभाग में शोक का माहौल है। सभी सहकर्मी इस अप्रत्याशित घटना से स्तब्ध हैं।

# शादी समारोह से लौटी महिला की संदिग्ध मौत

एटा जिले के रामनगर जटोली गांव में एक 45 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। मृतका की पहचान ममता देवी के रूप में हुई है, जो हवलदार सिंह की पत्नी थीं।घटना उस रात की है जब ममता देवी गांव में चल रहे शादी समारोह के मंगल गीतों से वापस लौटी थीं। वह घर में अकेली थीं क्योंकि उनका बेटा बारात में गया हुआ था। जब देर रात बेटा बारात से लौटा तो उसने दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर वह दीवार फांदकर अंदर गया, जहां उसे अपनी मां का शव चारपाई पर मिला।मृतका की बड़ी बहन सुमन ने बताया कि ममता देवी की मृत्यु संदिग्ध है। उनकी नाक से खून निकल रहा था और गले पर चोट के निशान भी पाए गए हैं। महिला का शव अर्धनग्न अवस्था में मिला, जिससे हत्या की आशंका और भी बलवती हो गई है।निधौली कला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने साक्ष्य एकत्र किए हैं और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।क्षेत्राधिकारी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का बा. रीकी से निरीक्षण किया और महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया है। मृत्यु के सही कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# एटा के अलीगंज में आचार्य मनोज अवस्थी के सानिध्य में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया

एटा के अलीगंज में आचार्य मनोज अवस्थी के सानिध्य में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। सूर्योदय के समय रघुनाथ धाम से प्रभात फेरी का शुभारंभ हुआ। धर्म प्रेमियों ने शंखनाद और ढोल–मजीरों की धुन पर भजन गाते हुए कस्बे की गलियों में परिक्रमा की।प्रभात फेरी नगला पड़ाव से मेन बाजार होते हुए गांधी चौराहा, माता दीन चौराहा और नई सब्जी मंडी से होकर पुनः रघुनाथ धाम पहुंची। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जय श्री राम के जयकारों के साथ इस यात्रा में भाग लिया।पिछले सात दिनों से अलीगंज में श्री राम कथा का आयोजन चल रहा है, जिसमें हजारों श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे हैं। आचार्य मनोज अवस्थी ने कहा कि प्रभात फेरी का उद्देश्य लोगों को जागृत करना है। उन्होंने बताया

कि प्रातःकाल उठकर प्रभु का स्मरण करने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है।पहलगाम की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदुओं को भी जागरूक रहने की आवश्यकता है। रामचरित मानस का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि विभीषण जागरूक था इसलिए बच गया, जबकि कुंभकरण की मृत्यु उसकी निद्रा के कारण हुई। उन्होंने जम्मू–कश्मीर की घटना की जांच की मांग की और कहा कि देश के अंदर के गद्दारों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

# कासगंज में बीजेपी के प्रदेश मंत्री डीपी भारती ने वक्फ बोर्ड कानून को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस

कासगंज में बीजेपी के प्रदेश मंत्री डीपी भारती ने वक्फ बोर्ड कानून को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा, निवर्तमान जिलाध्यक्ष केपी सिंह और वरिष्ठ नेता नवल कुलश्रेष्ठ मौजूद रहे।भारती ने कहा कि वक्फ अधिनियम में संशोधन के बाद कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दल परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के बड़े वक्फ और अधिकारी वक्फ की संपत्तियों से घोटाला कर रहे थे। संशोधन से उनकी मंशा पर रोक लगी है।प्रदेश मंत्री ने बताया कि यह विधेयक

गरीब मुस्लिम समाज के हित में है। विपक्षी दल जनता को गुमराह कर रहे हैं। भाजपा जनता के बीच जाकर विपक्ष के इस दुष्प्रचार का पर्दाफाश कर रही है।

# कासगंज एसपी समेत पुलिस अधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि, कानपुर भेजा गया पार्थिव शरीर

कासगंज संवावदाता इंद्रपाल राजपूत

थाना सोरों में तैनात दरोगा श्याम किशोर अवस्थी का 26 अप्रैल की रात को निधन हो गया। दरोगा श्याम किशोर अवस्थी ड्यूटी के दौरान अचानक बीमार पड़े। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल कासगंज में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान हृदय गति रुकने से उनका निधन हो गया।रविवार को कासगंज पुलिस लाइन में दिवंगत दरोगा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा और अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती ने विभागीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी। परिवार के सदस्य भी इस दौरान मौजूद रहे।श्रद्धांजलि सभा में कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इनमें क्षेत्राधिकारी सहावर शाहिदा नसरीन, क्षेत्राधिकारी पटियाली रा. जकुमार पांडेय और क्षेत्राधिकारी नगर आंचल चौहान शामिल थे। प्रतिसार निरीक्षक रवींद्र मलिक सहित अन्य

अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद दिवंगत दरोगा के पार्थिव शरीर को उनके गृह जनपद कानपुर नगर भेज दिया गया।

# एटा के पिलुआ थाना क्षेत्र के सुन्ना नगर के पास एक ऑटो हादसे का शिकार हो गया

एटा के पिलुआ थाना क्षेत्र के सुन्ना नगर के पास एक ऑटो हादसे का शिकार हो गया। हाईवे पर एक वाहन को बचाने के प्रयास में ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया।हादसे में ऑटो में सवार सभी 7 यात्री घायल हो गए। घायलों में 45 वर्षीय शारदा देवी (पत्नी रामखिलाड़ी), 28 वर्षीय मनोज (पुत्र सुरेश), 40 वर्षीय टिंकू (पुत्र वेणीराम), 20 वर्षीय नीतू (पुत्र विजय कुमार), 45 वर्षीय कुसुमा (पत्नी विजय कुमार) और 16 वर्षीय परी (पुत्री अशोक) शामिल हैं।राहग. ीरों ने पलटे हुए ऑटो से यात्रियों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पिलुआ थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से एटा स्थित वीरांगना अवंती बाई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।थाना प्रभारी पिलुआ ने बताया कि घटनास्थल का परीक्षण किया गया है और मामले की जांच की जा रही है। सभी यात्री हाथरस के पूर्दिल नगर से मुंबई की यात्रा कर रहे थे

# कासगंज तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलटा, चालक की दबकर मौत

कासगंज संवावदाता इंद्रपाल राजपूत

तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसकी चपेट में आकर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।अलीगढ़ जनपद के थाना गंगीरी क्षेत्र के गांव भदरोई निवासी 30 वर्षीय मुनीश कुमार पुत्र अनार सिंह ऑटो चालक था। शनिवार की शाम वह कासगंज आया था और रात लगभग 11 बजे अकेले ही ऑटो लेकर वापस अपने गांव लौट रहा था। तभी तैयबपुर सुजातगंज के पास ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे मुनीश की मौके पर ही मौत हो गई।सूचना पर थाना ढोलना की पुलिस मौके पर पहुंची। इंस्पेक्टर गोविंद वल्लभ शर्मा ने शव को ऑटो से निकलवाकर पंचायतनामा भरने की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान उसके आधार कार्ड से की गई और परिजनों को सूचना दी गई।परिजनों के अनुसार, मुनीश की चार बेटियां हैंकृकुमकुम (8), डॉली (6), हिमांशी (5) और सबसे छोटी बेटी राशि मात्र दो वर्ष की है। घटना के बाद पत्नी रामवती और मां बर्फी देवी का रो–रोकर बुरा हाल है।इंस्पेक्टर गोविंद वल्लभ शर्मा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों द्वारा अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। ऑटो को कब्जे में ले लिया गया है और तहरीर मिलने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।